

CLASS 12

DATE- 15.01.22

GEOGRAPHY

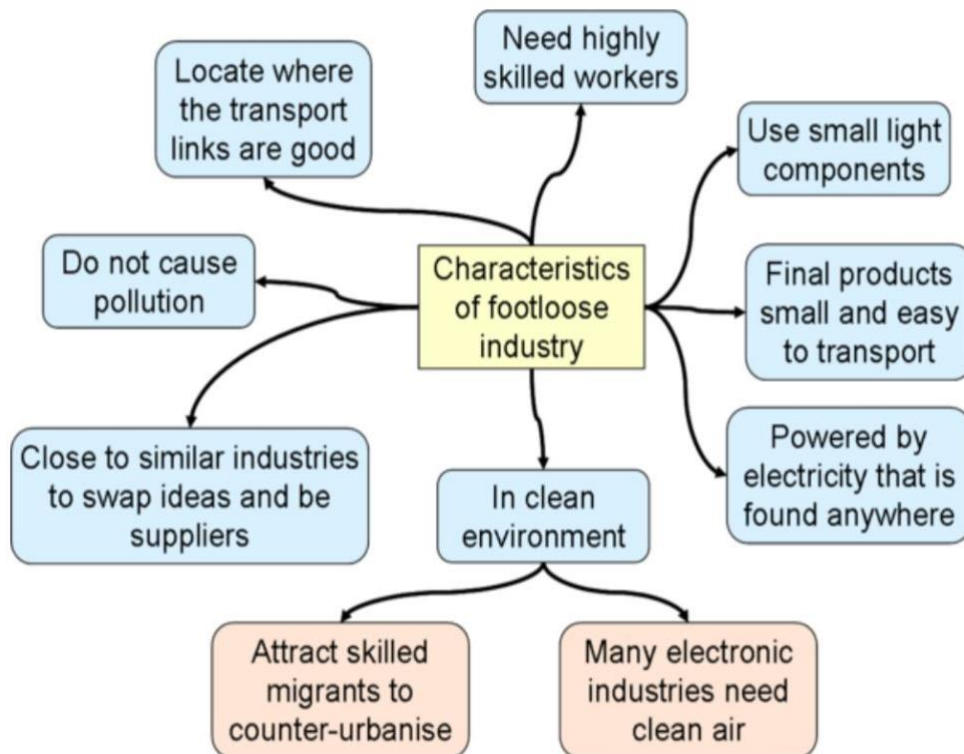
1) Footloose Industry:

The footloose industry is such type industry which doesn't have a strong locational preference as the input resources and output markets can be found in many places. These are called footloose as these type of industries are prone to relocation.

Although locational factors are not much important for footloose industries, those areas are preferred where input costs can be minimised and output realisation can be maximised. Some prominent examples of footloose industry are watch-making, diamond cutting, precision electronics etc.

Examples- Diamonds, computer chips and mobile manufacturing industries etc.

Characteristics:-



## 2) Why is cotton textile industry known as a 'footloose industry'?

The main raw material of cotton textile industry is raw cotton which is a pure raw material. It means that equal amount of (1 tonne) raw cotton produces equal amount of (1 tonne) cotton thread which in turn, produces equal amount of (1 tonne) cotton fabric. Thus, cotton textile industries can be established either close to the source of the of raw material, or near to the market or in any intermediate region. It means that cotton textile industries do not show any particular affinity for growing up in a certain location. Thus, the cotton textile industry is called a 'footloose industry'.

## 3) Factors responsible for location of footloose industries:

- Edge of cities- cheap land.
- Suburbs- ideal location for science and business parks.
- Accessibility by transportation network.
- Similar industries located close to each other.
- Hi tech Industries- located close to research centres and Universities.
- Non polluting- can be located close to residential areas.

Hindi Notes:

### 1) फुटलूज उद्योग:

फुटलूज उद्योग एक ऐसा उद्योग है जिसमें एक मजबूत स्थानीय वरीयता नहीं होती है क्योंकि इनपुट संसाधन और आउटपुट बाजार कई जगहों पर पाए जा सकते हैं। इन्हें फुटलूज कहा जाता है क्योंकि इस प्रकार के उद्योग स्थानांतरित होने की संभावना रखते हैं। हालांकि फुटलूज उद्योगों के लिए स्थानीय कारक ज्यादा महत्वपूर्ण नहीं हैं, फिर भी उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दी जाती है जहां इनपुट लागत को कम किया जा सकता है और आउटपुट प्राप्ति को अधिकतम किया जा सकता है। फुटलूज उद्योग के कुछ प्रमुख उदाहरण घड़ी बनाना, हीरा काटना, सटीक इलेक्ट्रॉनिक्स आदि हैं।

उदाहरण- हीरा, कंप्यूटर चिप्स और मोबाइल निर्माण उद्योग आदि।

### 2) सूती वस्त्र उद्योग को 'फुटलूज उद्योग' के रूप में क्यों जाना जाता है?

सूती वस्त्र उद्योग का मुख्य कच्चा माल कच्चा कपास है जो शुद्ध कच्चा माल है। इसका मतलब है कि समान मात्रा में (1 टन) कच्चा कपास समान मात्रा में (1 टन) सूती धागे का उत्पादन करता है जो बदले में समान मात्रा में

(1 टन) सूती कपड़े का उत्पादन करता है। इस प्रकार, सूती वस्त्र उद्योग या तो कच्चे माल के स्रोत के करीब, या बाजार के पास या किसी मध्यवर्ती क्षेत्र में स्थापित किए जा सकते हैं। इसका अर्थ है कि सूती वस्त्र उद्योग एक निश्चित स्थान पर बढ़ने के लिए कोई विशेष आत्मीयता नहीं दिखाते हैं। इस प्रकार सूती वस्त्र उद्योग को 'फुटलूज उद्योग' कहा जाता है।

3) फुटलूज उद्योगों के स्थान के लिए जिम्मेदार कारक:

- शहरों का किनारा- सस्ती जमीन।
- उपनगर- विज्ञान और व्यावसायिक पार्कों के लिए आदर्श स्थान।
- परिवहन नेटवर्क द्वारा अभिगम्यता।
- समान उद्योग एक दूसरे के निकट स्थित हैं।
- उच्च तकनीक उद्योग- अनुसंधान केंद्रों और विश्वविद्यालयों के करीब स्थित।
- गैर प्रदूषणकारी- रिहायशी इलाकों के करीब स्थित हो सकते हैं।